Heldy

सुनीलश्री पांथरी उप सविव, उत्तरसम्बद्ध शासन्।

रेधा में,

महानिदेशक, विकित्सः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्ताराखण्ड, देहसदून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादूनः दिनांकः 13 नवम्बर, 2009

विषयः वित्तीय वर्ष 2009–10 में 12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत चिकित्सा विभाग के अनावासीय भवनों में में वार्षिक/अनुरक्षण कार्य एवं विशेष मरम्भत के कार्यों के 07 कार्यों की स्वीकृति।

महोदय.

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र रां० 7प/1/10/2009/39030 दिनांक 15 अक्टूबर, 2009 के संवर्ष मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय 12वें वित्ता आयोग के अन्तर्गत चिकित विभाग के अनावासीय भवनों में टाईलिंग, भारवल पलोरिंग, अनुरक्षण कार्य एवं विशेष मरम्मत के कार्यों के 7 कार्यों हेतु वित्तीय वर्ष 2009—10 में औचित्यपूर्ण लागत रू० 19,59,000.00 (रू० उन्नीस लाख उनसठ हजार मात्र) पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए शंलग्नकागुसार कुछ रू० 19,59,000.00 (रू० उन्नीस लाख उनसठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

- 2— आगणन में उल्लिखित दरें केवल आगणन गठित के लिये ही अनुगन्य है। कार्य कराने से पूर्व गववार दर विश्लेषण विमाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुगोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में रवीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव रो ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुगोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा। स्वोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 3— उक्त धनराशि कोषागार से आहरित कर चिकित्सा विभागान्तर्गत संबंधित जनपदों के जनपद स्तरीय आहरण वितरण अधिकारियों को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सक्षम स्तर के अधिकारी का विभागीय तकनीकी अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
- 4— स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाउचर संख्या एवं दिनाँक की सूचना तत्काल शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 5— कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक रवीकृत प्राप्त करनी आययक होगी।
- 6— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि रो अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 7— धनराशि उन्हीं मदों / कार्यों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
- 8— स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शारान को उपलब्ध करायी जाय।
- 9— अवंमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.12.2009 से पूर्व सुनिश्चित कर इसका वित्तीय/भौतिक प्रगति विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शारान को प्रस्तुत किया जाय। निर्धारित समयानिर्ध में पूर्ण उपयोग न करने का मूलरूप से दायित्य संबंधित अधिकारी का होगा।
- 10— एकं मुश्त प्राविधानों की कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गढित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए ।
- 11— प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम रतर से तकनीकी खीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कर्ष की अनुमौदित लागत तक ही रखा जायेगा।

- 12— कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टयों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 13— निर्माण सामग्री क्रयं करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली—2008 के सुसंगत प्राविधानों का पालन कडाई से किया जाय तथा वित्त विभाग के आदेशानुसार निर्धारित प्रपन्न पर निर्माण इकाई के साथ एम03रो0 हस्ताक्षरित कर लिया जाय।
- 14— कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चिधिकारियों एवं भूमर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात दिए गए निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- 15— निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने रो पूर्व प्रयोगशाला रो परीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा उपयुक्त पारी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
- 16— रवीकृत धनराशि का आहरण / व्यय वित्तीय हरतपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययिता के संबंध में समय—समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 17— मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शारान के आदेश संख्या—2047/XIV-219(2006) देहरादून दिनांक 30.05. 2006 द्वारा निर्मत आदेशों का कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।
- 18— इस रविध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष—2009—10 के आय—व्ययक की अनुदान संख्या—07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक— 2059—लोक निर्मण कार्य—आयोजनेत्वर 80—सामान्य 053—रख—रखाव तथा मरम्मत 01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं 0101—12 वें वित्त आयोग के अन्तर्गत भवनी वें अनुदाराण 22 अनुरक्षण के नामें खाला जायेगा।
- 19 यह आदेश वित्त विभाग के अशा० रां0-305(NP) / वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-5 / 09 दिनांक 12 11- 2009 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( सुनीलंश्री पांथरी ) उप सचिव,

<u> संख्या--13**8**६ (1)/XXVIII-5-200</u>9-175/2009 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत प्रेषित:-

- महालखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहसदून।
- 2 निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहराद्ने।
- 3 आयुक्त गढ़वाल / कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड ।
- 4-- रुऑफ ऑफिसर, मुख्य राविव, उत्तराखण्ड।
- 5- नुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- मुख्य चिकित्सा अधिकारी देहरादून ।
- . 7- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वारथ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 8 अपर सचिव मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 9- वजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, राचिवालय, देहरादून।
- 10- भीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सिववालय, देहरादून।
- 11-- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु०-3/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०।
- 12- गार्ड फाईल ।

(सुनीलश्री पांथरी) उप सविव

## शासनादेश सं0-1386/XXVIII-5-2009-175/2009 दिनांक 13 नवम्बर, 2009 का संलग्नक

क्र. जनपद प्राप्त	आगणन में कार्यों का	आगणन में कार्यों का सक्षिप्त विवरण		
रा. आगणनों संख्या	A CARLON CONTRACTOR CO	लागत रूपये में	टी.ए.सी. द्वारा संस्तुत लागत लाख रू० में	
1 देहरादूरा 07	1. एरा०पी०एरा० राजाकीय चिकित्सा अधिकेश में प्रथम तल पर प्रसूति ब्लाक में डेडो एवं टाईल्स लगाने कार्य	गृह े	2.40	
	2. एस०पी०एस० राजकीय विकित्सा ऋषिकेश के द्वितीय एवं तृतीय तत रेग्प की डेडो पर टाईल्स लगाने	ल में	2.40	
	कार्य 3. एस०पी०एस० राजकीय चिकित्स		2.40	
	3. एस०पी०एस० राजकीय चिकित्सा ऋषिकेश के तृतीय तल पर व मरम्मत का कार्य		2.6	
	4. एस०पी०एस० राजकीय चिकित्स ऋषिकेश के द्वितीय राल पर व मरम्मत का कार्य		3.03	
	5. एस०पी०एस० राजकीय चिकित्स ऋषिकेश के प्रथम तल पर व गरमत का कार्य		4.13	
	6. एस०५१०ए२।० राजकीय चिकित्स त्रहिषकेश के भूतल पर वार्षिक म का कार्य		3.26	
	7. एस०पी०एस० चिकित्सालय ऋषिके भवन के भूतल व प्रथम तल की रैम डेडो वाल पर टाईल्स लगाने का क	भ्य के	1.69	
	कुल योग	2009264.00	19.59	

(रू0 उन्नीस लाख उनसठ हजार मात्र)

(सुनीलंश्री पांथरी) उप सचिव